कृषि में बिहार फिर गौरवान्वित

रोहतास के दिलीप को मिला जगजीवन राम अभिनव कृषक पुरस्कार

चंदन / एसएनबी

- 16 जुलाई को आईसीआईआर के प्रांगण में होगा सम्मान
- सम्मान स्वरूप एक लाख की राशि और मिलेगा प्रशस्ति पत्र

पटना। सर्वश्रेष्ठ उत्पादन की दौड़ में शामिल हो चुका बिहार अब पीछे मुड़ कर देखने की स्थिति से पार पा चुका है। मेहनत, जज्बा, उत्तम तकनीक का इस्तेमाल और नवीनतम ज्ञान का कमाल दिखाते हुए इस वर्ष (2013) भी रोहतास जिले के किसान दिलीप सिंह ने कृषि के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ उत्पादन के लिए राष्ट्रीय स्तर का जगजीवन राम अभिनव कृषक पुरस्कार अपने नाम कर लिया। यह पुरस्कार उन्हें समेकित खेती के लिए दिया गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीआईआर) द्वारा दिये जाने वाले इस पुरस्कार के तहत दिलीप सिंह को एक लाख रुपये तथा प्रशस्ति पत्र 16 जुलाई को नई दिल्ली में प्रदान किया जायेगा।

एक तरह से देखा जाये, तो बिहार के किसानों ने इस पुरस्कार पर वर्ष 2009 से ही कब्जा जमा रखा है। वर्ष 2009 में कृषि क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ उत्पादन के लिए समस्तीपुर के सुधांशु कुमार को (समेकित खेती के लिए), वर्ष 2010 में गया के शशि कुमार को शहद तथा वर्ष 2012 में गया के संतोष कुमार को डेयरी व वर्मी कम्पोस्ट खाद के लिए दिया गया था। महदीगंज, रोहतास के दिलीप सिंह कृषि जगत के लिए तभी मॉडल बन गये थे, जब बिहार सरकार ने बेहतर सब्जी उत्पादक के रूप में इस पुरस्कार के लिए उनके नाम की अनुशंसा की थी। वैसे तो दिलीप सिंह का कृषि से नाता पहले से ही था, लेकिन कुछ विशेष करने की चाहत में वे पिछले बीस वर्षों से सक्रियता के साथ लगे रहे। वह भी तब जब उनके पास खेत नहीं था। ऐसे में उन्होंने ऐसे खेत की तलाश की, जो बंजर या कम उपजाऊ वाला था। ऐसा इसलिए कि इस तरह की जमीन काफी कम पैसे में पट्टे पर मिलने की उम्मीद होती है। इस तरह की जमीन जब कम पैसे पर मिली, तो दिलीप सिंह की मेहनत की तूती रोहतास से निकल कर राजधानी में गूंजने लगी। काशी विश्वविद्यालय के कृषि संकाय से ज्ञान लेकर उन्होंने कम उपजाऊ वाली जमीन के सापेक्ष सब्जी उत्पादन का लक्ष्य रखा। इसके तहत टमाटर, बैंगन, गोभी, बंदागोभी, शिमला मिर्च आदि का रिकार्ड उत्पादन कर कृषि विभाग का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट कराया। हालांकि शुरुआत में इनके काम को बेवकूफाना हरकत माना जा रहा था। लेकिन कड़ी मेहनत के बाद उन्होंने मात्र .6 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले खेत में 600 क्विंटल टमाटर का उत्पादन कर 2.37 लाख रुपये तथा 1.6 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली जमीन में 800 क्विंटल बैंगन का उत्पादन कर 1.5 लाख रुपये का नेट लाभ कमा कर बिहार के किसानों के सामने एक मिसाल रखी। यही वजह थी कि कृषि विभाग ने इस पुरस्कार के लिए इनके नाम की अनुशंसा भी की।

इस उपलब्धि पर दिलीप सिंह कहते हैं कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं, बशर्ते इसकी दिशा सही हो। उन्होंने कहा कि आज जो उपलब्धि हासिल हुई है, उसमें कृषि विभाग के कई पदाधिकारियों का सहयोग रहा है। उन्होंने आज के किसानों को संदेश देते कहा कि ज्ञान जहां से भी मिले, ग्रहण करना चाहिये और सही दिशा में उस ज्ञान को लगाया जाये, तो सफलता अवश्य मिलेगी।

सम्मानित हो चुके किसान

वर्ष	किसान	क्षेत्र
2009	सुधांशु कुमार(समस्तीपुर)	समेकित खेती
2010	शशि कुमार (गया)	शहद
2012	संतोष कुमार (गया)	डेयरी व वर्मी कंपोस्ट
2013	दिलीप कुमार(रोहतास)	समेकित खेती